

प्रसाधारए

## EXTRAORDINARY

भाग II -सण्ड 3---उपसण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 165]

नई विल्ली, मंगलबार, सितम्बर 14, 1971/भाव 23, 1893

No. 165}

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 14, 1971/BHADRA 23, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 14th September 1971

- G.S.R. 1340.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Vegetable Oil Products Control Order, 1947, namely:—
- 1. This Order may be called the Vegetable Oil Products Control (Amendment) Order, 1971.
- 2. In the Vegetable Oil Products Control Order, 1947, after clause 4, the following clause shall be inserted, namely:---
  - "4-A. The Controller may, by general or special order, direct any producer to manufacture or not to manufacture such qualities or varieties of vegetable oil product as may be specified in the Order, and prescribe the minimum quantities of any quality or variety of vegetable oil product which each such producer shall manufacture during such period as may be specified in the said Order:

Provided that in making an order under this clause, the Controller shall have regard to-

- (a) the capacity of the producer to manufacture vegetable oil products;
- (b) the availability of raw oils;
- (c) the need to maintain supplies of vegetable oil products, with reference to the requirements of such products in different parts of the country; and
- (d) any other relevant factor."

[No. 3-VP(4)/71.]

## कृषि मंत्रालय

## (खाद्य विभाग)

# ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1971

सा० का० नि० 1340.— आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रवोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार वनस्पति तेल उत्पाद नियंत्रण आदेश, 1947 में और संशोधन करने के लिए एतव्ह्वारा निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात :—

- 1. इस भादेश का नाम बनपस्ति तेल उत्पाद नियंत्रण (संशोधनों) श्रादेश, 1971 होगा ।
- 2. वनस्पति तेल उत्पाद नियंत्रण भ्रादेश, 1947 में खण्ड 4 के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड भ्रम्तःस्थापित किया जायेगा, भ्रथत् :---

"4-क. नियंत्रक, किसी उत्पादक को वनस्पति तेल उत्पाद की ऐसी क्यालिटी या किस्मों के, जो प्रादेश में विनिर्दिष्ट की जायें, विनिर्माण करने के लिए या विनिर्माण न करने के लिए या विनिर्माण न करने के लिए, साधारण या विभीष श्रादेश द्वारा, निदेश दे सकेगा, और वह बनस्पति तेल उत्पाद की किसी क्वालिटी या किस्म का न्यूनतम परिमाण विहित कर सकेगा, जिसका विनिर्माण ऐसा हुर एक उत्पादक ऐसी प्रविध के वौरान, जो उक्त श्रादेश में विनिष्टि की जाये, कर सकेगा:

परम्तुं इस खण्ड के प्रधीन कोई ग्रावेश करते समय, नियंत्रक निम्नेलिखित जातीं का व्यान रखेगा---

- (क) वनस्पति तेल उत्पाद के विनिर्माण के लिए उत्पादक की क्षमता;
- (ब) कच्चे तेलों की उपलभ्यता;
- (ग) देश के विभिन्न भागों में वनस्पति तेल उत्पाद की अपेक्षामों का ब्यान रखते हुए, ऐसे उत्पाद के प्रदाय को बनाये रखने की प्रावश्यकता; श्रौर
- (ब) कोई मन्य पूर्सगत बात।"

#### ORDER

New Delhi, the 14th September 1971

G.S.R. 1341.—Whereas I, F.G.T. Menezes, have been authorised by the Vegetable Oil Products Controller for India under sub-clause (a) of clause 2 of the Vegetable Oil Products Control Order, 1947, to exercise the powers of Controller under the said Order (vide G.S.R. 882, dated the 24th September, 1958);

And whereas, having regard to the capacity of each producer for the manufacture of vegetable oil products, the availability of raw oils and the need to maintain supplies of vegetable oil products for meeting the requirements thereof in different parts of the country, it is necessary to specify the minimum quantity of such products which every such producer shall manufacture;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause 4A of the Vegetable Oil Products Control Order, 1947, read with the notification of the Government of India in the late Ministry of Food and Agriculture No. G.S.R. 882, dated the 24th September, 1958, I, F.G.T. Menezes, hereby direct that the minimum quantities of any quality or variety of vegetable oil product which a producer shall manufacture during the months of October-December, 1971, be as follows:—

The ratio of the production of vegetable oil product, other than product manufactured for non-edible industrial use, by any producer during every month specified above to his production of such product during the months of January to June, 1971, shall not be less than the ratio of his production of such product during the corresponding month of 1970 to his production during the months of January to June, 1970:

Provided that where any producer was not engaged in the business of manufacturing any vegetable oil product prior to January, 1970, his production of vegetable oil product, during any of the months of October to December, 1971, shall not be less than the maximum of his production of such product during any of the months of June, July and August, 1971.

[No. 3-VP(4)/71.]

F. G. T. MENEZES, Director (Vanaspati).

### चादेश

# न**ई दिल्ली, 14 सितम्बर, 197**1

सा० का० नि० 1341.—पत: मैं, एफ० जी० टी० मेनेजेज, बनस्पति-तेल-उत्पाद नियंत्रण आदेश, 1947 के खण्ड 2 के उपखण्ड (क) के प्रधीन भारत के बनस्पति-तेल-उत्पादन-नियंत्रक ढारा, उक्त प्रावेश के प्रधीन नियंत्रक की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए, प्राधिकृत किया गया हूं (सा० का० नि० 882, तारीख 24 सितम्बर, 1958 देखिए);

श्रीर यतः, वनस्पति-तेल-उत्पाद के विनिर्माण के लिए हर एक उत्पादक की क्षमता, कक्ष्ये तेलों की उपलब्धता श्रीर देश के विभिन्न भागों में वनस्पति तेल उत्पाद की श्रपेक्षाओं को पूरा करने के लिए उसके प्रदाय को बनाये रखने की श्रावश्यकता का ध्यान रखते हुए, ऐसे उत्पाद का न्यूनतम परिमाण विनिर्दिष्ट करना आवश्यक है जिसका विनिर्माण ऐसा प्रत्येक उत्पादक करेगा:

श्रतः श्रव, भारत सरकार के भूतपूर्व खाद्य और कृषि मंत्रालय की धिधसूचना सं० सा० का० भि० 882, तारीख 24 सितम्बर, 1958 के साथ पठित, वमस्पति-तेल-उत्पाद नियंखण श्रादेश, 1947 के खण्ड 4-क द्वारा प्रदेश गंकितयों का प्रयोग करते हुए, म, एफ • जी० टी० मेनेफोज एतदहारा निदेश देता हूं कि वनस्पति-तेल-उत्पाद की किसी क्वालिटी या किस्म के न्यूनतम परिमाण, जिसका विनिर्माण कोई उत्पादक 1971 के श्रक्तूबर-दिसम्बर भास के दौरान करेगा, निम्नलिखित होंगे :---

किसी उत्पादक द्वारा ऊपर विनिर्दिष्ट प्रत्येक मास के दौरान ग्रखाद्य श्रौद्योगिक उपयोग के लिए विनिर्मित उत्पाद से भिन्न वनस्पति-तेल-उत्पाद के उत्पादन भीर 1971 की जनवरी से जून तक के दौरान ऐसे उत्पाद के उसके उत्पादन के बीच श्रनुपात उस श्रनुपात से कम नहीं होगा, जो 1970 के तत्सम्बन्धी मास के दौरान ऐसे उत्पाद के उसके उत्पादन श्रौर 1970 के जनवरी से खून तक के दौरान उसके उत्पादन के बीच है:

परन्तु यदि कोई उत्पादक जनवरी, 1970 से पूर्व किसी वनस्पति-तेल-उत्पाद का विनिर्माण सम्बन्धी कारोंबार नहीं कर रहा था तो 1971 के श्रक्तूबर से दिसम्बर मास में से किसी के दौरान वनस्पति-तेल-उत्पाद का उसका उत्पादन, 1971 के जून, जुलाई भौर श्रगस्त मास में से किसी के दौरान ऐसे उत्पाद के उसके श्रधिकतम उत्पादन से कम नहीं होगा।

[सं० 3-वी० पी० (4) /71] एफ० जी० टी० मेनेखेज, निदेशक (वनस्पति)।